# माँ स्कंदमाता आरती लिरिक्स (

माँ स्कंदमाता आरती लिरिक्स (
क्स (Maa Skandmata Aarti Lyrics)
जय स्कन्द माता ,
ॐ जय स्कन्द माता ।
शक्ति भक्ति प्रदायिनी
नी,
सब सुख की दाता ।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।
कार्तिकेय की हो माता तिकेय की हो माता ,
शंभू की शक्ति । ।
भक्तजनों को मैयातजनों को मैया,
देना निज भक्ति ।।
।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।
चार भुजा अति सोहे
सोहे ,
गोदी में स्कन्द ।
द्या करो जगजननी,
बालक हम मतिमन्द ।।
मन्द ।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।
शुभ्र वर्ण अति पावन
पावन ,
सबका मन मोहे ।
होता प्रिय माँ तुमको
ाँ तुमको,
जो पूजे तोहे ।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।
स्वाहा स्वधा ब्रह्माणी
ी ,
राधा रुद्राणी ।
ी ।
लक्ष्मी शारदे काली,
कमला कल्याणी ।।
ी ।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।
काम क्रोध मद ,
मैया जगजननी हरना ।

विषय विकारी तन मन

कारी तन मन,
को पावन करना ।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।
नवदुर्गो में पंचम गो में पंचम ,
मैया स्वरूप तेरा ।
पाँचवे नवरात्रे कोंचवे नवरात्रे को,
होता पूजन तेरा ।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।
तू शिव धाम निवासिनी
नी,
महाविलासिनी तू ।
नी तू ।
तू शमशान विहारिणी
ी,
ताण्डव लासिनी तू ।।
नी तू ।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।
हम अति दीन दुखी माँ
ाँ,
कष्टों ने घेरे ।
अपना जान द्या कर,
बालक हैं तेरे ।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।
स्कन्द माता जी की आरती,
जो कोई गावे ।
कहत शिवानंद स्वामीवानंद स्वामी,
मनवांछित फल पावे ।।ित फल पावे ।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।
जय स्कन्द माता ,
ॐ जय स्कन्द माता ।
शक्ति भक्ति प्रदायिनी
नी,
सब सुख की दाता ।।
ॐ जय स्कन्द माता ।।

माँ स्कंदमाता मंत्र (ँस्कंदमाता मंत्र (Maa Skandmata Mantra)
ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नम:न्यै नम:
या देवी सर्वभूभूतेषु मां स्कंदमाता रूपेण संस्थिता।
िता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:।